

30/11/25

प्राप्ती पेशुति अय्य फु अफ। साह्यपारी
हेतु अवतर याला साह्यपारी हेतु फुल ॥
अवतर रिदि गदि हें। साह्यपारी अयांफ फे
प्राप्ती इसी स्वद पर खादिप ही जाली हें।
गंधर से फय हो।

आदेश बुगारा गफने

उपखण्ड अधिकारी
सूरतगढ़ (राज.)



GLMS
2024/143